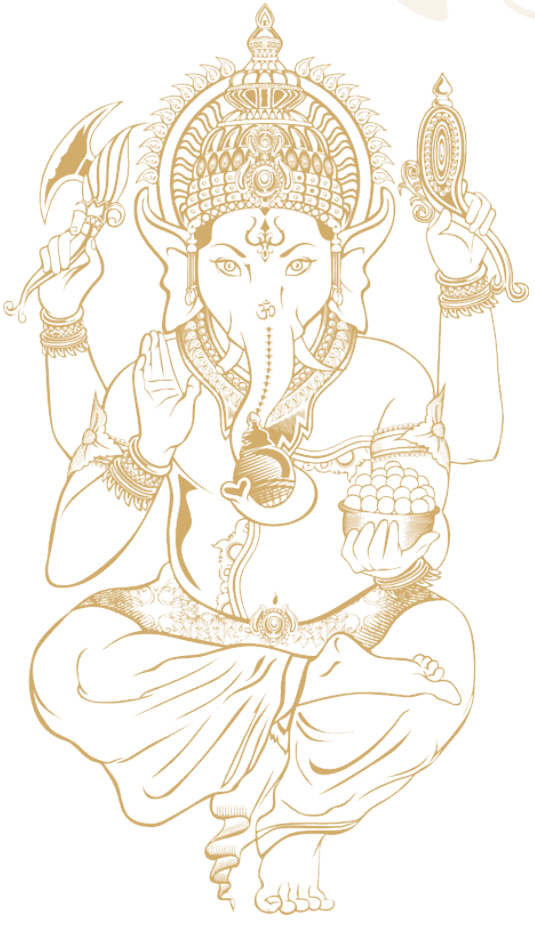

Samyak jain

Ashtha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121511202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/07/2001	जन्म तिथि	26-27/12/2000
रविवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 20:30:00	जन्म समय	06:05:00 घंटे
घटी 37:26:26	जन्म समय(घटी)	57:34:37 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Chhatarpur
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	24:54:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	79:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:11:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:25	सूर्योदय	06:54:39
19:13:21	सूर्यास्त	17:30:12
23:52:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:59

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 29दि

गुरु	07/04/2025
	07/04/2041
गुरु	26/05/2027
शनि	07/12/2029
बुध	14/03/2032
केतु	18/02/2033
शुक्र	20/10/2035
सूर्य	07/08/2036
चन्द्र	07/12/2037
मंगल	13/11/2038
राहु	07/04/2041

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृश्चि	29:21:49
सूर्य	धनु	11:41:41
चंद्र	धनु	25:52:03
मंगल	तुला	08:09:02
बुध	धनु	12:23:43
गुरु व	वृष	08:45:32
शुक्र	मक	27:33:23
शनि व	वृष	00:57:34
राहु	मिथु	21:35:48
केतु	धनु	21:35:48
हर्ष	मक	24:32:54
नेप	मक	11:17:19
प्लूटो	वृश्चि	19:43:21

राशि	अंश
वृश्चि	29:21:49
धनु	11:41:41
धनु	25:52:03
तुला	08:09:02
धनु	12:23:43
वृष	08:45:32
मक	27:33:23
वृष	00:57:34
मिथु	21:35:48
धनु	21:35:48
मक	24:32:54
मक	11:17:19
वृश्चि	19:43:21

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 2मा 11दि

राहु	09/03/2025
	10/03/2043
राहु	20/11/2027
गुरु	15/04/2030
शनि	19/02/2033
बुध	08/09/2035
केतु	26/09/2036
शुक्र	27/09/2039
सूर्य	20/08/2040
चन्द्र	19/02/2042
मंगल	10/03/2043

लग्न-चलित

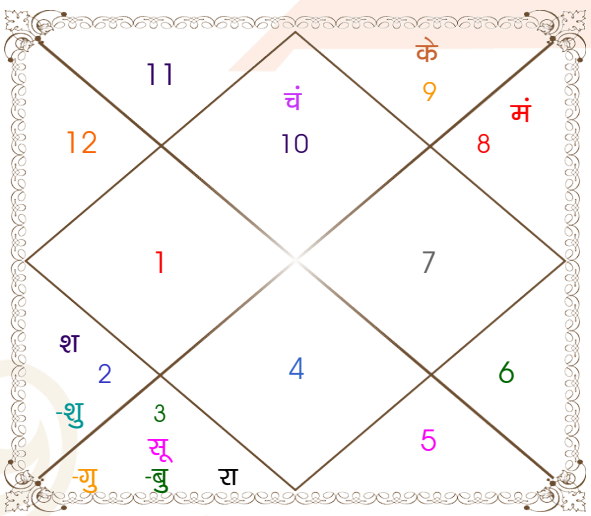

लग्न-चलित

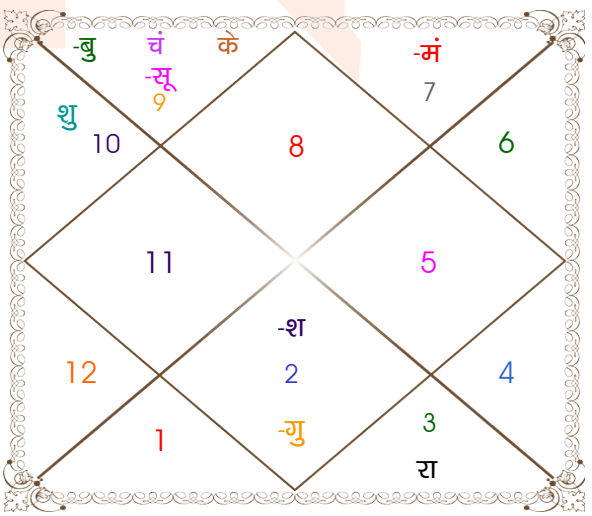

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ँउलां रंपद का वर्ग मार्जार है तथा ीजीं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँउलां रंपद और ीजीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ँउलां रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ीजीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ीजीं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ैउलां रंपद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैउलां रंपद तथा ीजीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com